(ख) इन लक्ष्यों को प्राप्ति में सरकार को किस हद तक सफलता मिली है ; और

(ग) इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सरकार क्या प्रयास कर रही है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) और (ख) मृदा क्षरण को रोकने के लिये भारत सरकार द्वारा कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किए गए हैं।

(ग) भारत सरकार के कृषि मंत्रालय की महत्वपूर्ण योजनायें इस प्रकार हैं :–

(1) नदी घाटी परियोजनाओं के जल ग्रहण क्षेत्रों में मृदा संरक्षण की केन्द्रीय प्रायोजित योजना;

(2) बाढ़ प्रवण नदियों के जल-ग्रहण क्षेत्रों में समेकित पनधारा प्रबन्ध की केन्द्रीय प्रायोजित योजना;

(3) वर्षा सिंचित क्षेत्रों में समेकित पनधारा विकास कार्यक्रम; और

(4) यूरोपीय आर्थिक समुदाय की सहायता प्राप्त (1) उत्तर प्रदेश में चंबल तथा यमुना के बीहड़ क्षेत्रों में समेकित पनधारा प्रबन्ध और (2) गुजरात में समेकित पनधारा प्रबन्ध परियोजना।

गुजरात में शुष्क भूमि खेती

1640. **श्री गोपाल सिंह जी. सोलंकी**: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पिछले वर्ष के दौरान गुजरात में शुष्क भूमि खेती परियोजनाओं को कार्यान्वित किया गया है; यदि हां तो उनका जिला-वार ब्यौरा क्या है; और

(ख) शुष्क क्षेत्र में फसलों के उत्पादन को बढ़ाने के लिये सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुल्लापल्ली रामचन्द्रन) : (क) जी, हां। गुजरात राज्य में गत वर्ष के दौरान वर्षापोषित क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय पनधारा विकास परियोजना तथा विश्व बैंक से सहायता प्राप्त समन्वित पनधारा विकास परियोजना (भड़ौंची इलाके) क्रियान्वित की गई हैं। जिलावार ब्यौरा विवरण I और II में दिया गया है **(नीचे देखिये)**।

(ख) समन्वित कृषि प्रणाली, जिसमें कृषि, पशुपालन, कृषि-वानिकी, बारानी बागवानी, वासभूमि के बगीचे, घरेलू उत्पादन प्रणालियां आदि शामिल हैं, के सतत विकास के जरिए बारानी क्षेत्रों में बायोमास का सकल उत्पादन बढ़ाने के लिए कदम उठाए गए हैं।

विवरण–I

वर्षा पोषित क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय पनधारा विकास परियोजना के तहत पनधाराओं की जिलावार संख्या को दर्शाने वाला विवरण-पत्र

क्रम संख्या	जिले का नाम	पनधाराओं की संख्या
1	अहमदाबाद	6
2	बनासकांठा	11
3	बड़ौदा	12
4	भड़ूच	10
5	बुलसाड	7
6	डंग	1
7	गांधीनगर	1
8	केड़ा	8
9	मेहसाना	6
10	पंचमहल	11
11	साबरकांठा	9
12	सूरत	9
13	अमरेली	10
14	भावनगर	12
15	जामनगर	10
16	जूनागढ़	15
17	कच्छ	9
18	राजकोट	13
19	सुरेन्द्रनगर	9

विवरण–II

विश्व बैंक से सहायता-प्राप्त समन्वित पनधारा विकास परियोजना (सैंदानी इलाके) के तहत गुजरात में पनधाराओं की जिलावार संख्या को दर्शाने वाला एक विवरण पत्र

क्रम सं.	जिले का नाम	पनधारा की संख्या
1	साबरकंठा	1
2	राजकोट	2
3	बड़ौदरा/भड़ूच	1

दिल्ली दुग्धयोजना की दुग्ध उत्पादन क्षमता

1641. **श्री राजभाई ए० परमार :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली दुग्ध योजना के अंतर्गत अब भी प्रतिदिन संयंत्र क्षमता से कम उत्पादन हो रहा है और पिछले दो वर्षों में उत्पादन क्षमता को बढ़ाया नहीं गया है; और

(ख) यदि हां, तो दूध की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए दूध की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार ने क्या प्रयास किये हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के. सी. लेंका) : (क) वर्ष 1990 में दिल्ली दुग्ध योजना की अधिष्ठापित क्षमता 3.75 लाख लीटर प्रतिदिन से बढ़ाकर 5.00 लाख लीटर प्रतिदिन कर दी गई थी तथा पिछले दो वर्षों में इसका उपयोग इस प्रकार रहा है :–

वर्ष	क्षमता का उपयोग
1990–91	102·83 प्रतिशत
1991–92	95.01 प्रतिशत

(ख) इस समय दिल्ली दुग्ध योजना की वर्तमान क्षमता बढ़ाने के किसी प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जा रहा है।

1642. (Transferred to 30 July, 1992)

राजस्थान में भुखमरी से हुई मौतें

1643. **श्री अनन्त राम जाखड़वाल :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 7 जुलाई, 1992 के हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र "दैनिक जागरण" के दिल्ली संस्करण के कालम 5 में "राजस्थान अकाल ने 100 बच्चों की जान ली" शीर्षक से प्रकाशित हुए समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा इस संबंध में की गई कार्यवाही का ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि कोई कार्यवाही नहीं की गई है, तो उसके क्या कारण हैं?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री भुवनेश्वर चतुर्वेदी) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) राजस्थान सरकार ने सूचना दी है कि भुखमरी के कारण राजस्थान के बीकानेर या अन्य स्थानों में किसी की मृत्यु नहीं हुई है तथा स्वाभाविक मृत्यु का भी कारण अकाल ही बताया गया है। बहरहाल, कुछ गांवों में खसरा का प्रकोप हुआ जिसके कारण कुछ बच्चों की मृत्यु हुई है। राज्य सरकार द्वारा इन क्षेत्रों में सहन रोग प्रतिरक्षण कार्य शुरू किया गया है।

राजस्थान सरकार ने यह भी सूचित किया है कि भूखमरी के कारण गौ पशुओं की मृत्यु की सूचना भी आधारहीन है।

राजस्थान सरकार ने बीकानेर जिले में विभिन्न राहत उपाय किए हैं जिनमें श्रमिकों को रोजगार देना, गौपशु कैम्प खोलना, राज्य के अन्दर चारा लाने ले जाने तथा राज्य के बाहर से चारा लाने के लिए राजसहायता, चारा की